कुल्लू, मनाली और कश्मीर से ठंडा रहा माउंट आबू, पारा -6 डिग्री दर्ज

माउंट आबू पहुंच रहे पर्यटक मौसम का जमकर लुफ्त उठा रहे हैं

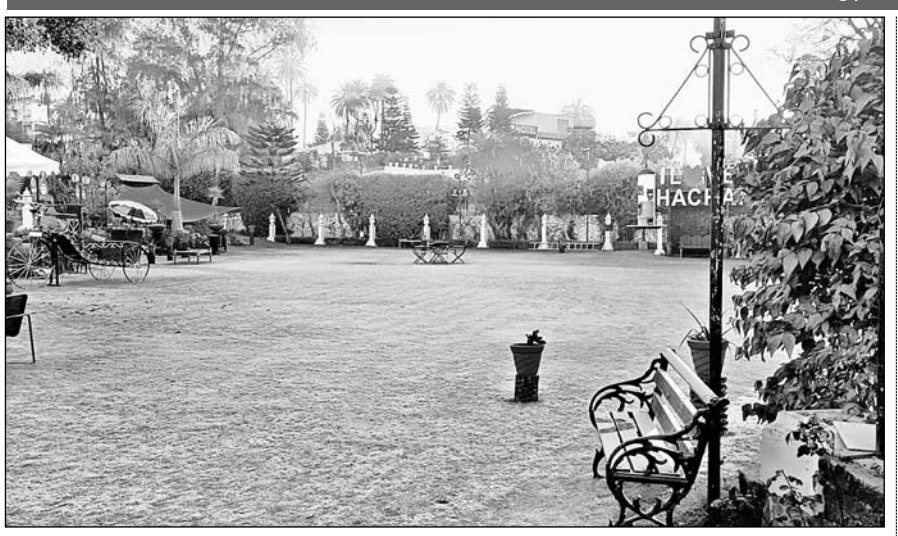

माउंट आबू में सर्दी से जमी ओस की बूंदे बर्फ बन गईं।

आबूरोड़, (निसं)। माउन्ट आबू में सोमवार को तीसरे दिन पारा जमाव बिंदु के नीचे रहा। सोमवार को न्यूनतम तापमान माइनस 6 डिग्री दर्ज किया गया। रविवार के मुकाबले न्यूनतम तापमान में एक डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है और अभी भी सर्दी का थर्ड डिग्री टॉर्चर जारी है। माउंट आबू का न्यूनतम तापमान देश के अन्य हिल स्टेशन कुल्लू, मनाली, शिमला सहित अन्य जगह से काफी कम है। माउंट आबू पहुंच रहे पर्यटक मौसम का जमकर लुफ्त उठा रहे हैं। जिला प्रशासन ने सर्दी को देखते हुए दो दिन का स्कूली अवकाश घोषित किया है। लोग अलाव के सहारे से बचने का जतन कर रहे है।

पर्यटक उठा रहे है लुफ्त:- सर्दी के मौसम में अक्सर ही ठण्ड का लुफ्त उठाने के लिए गुजरात सहित अन्य प्रदेशों से बड़ी संख्या में पर्यटक हिल स्टेशन माउंट आबू का रुख करते है। वही इस बार मौसम और तापमान में गिरावट के बाद माउंट आबू पहुंच रहे पर्यटक जमकर सर्दी का लुफ्त उठा रहे है। पर्यटक चाय की चुस्कीयों और गर्म व्यंजनों कर सहारे सर्दी भगाने का जतन करते नजर आ रहे है।

अलाव, गर्म कपडे और रूम हीटर बने सहारा:- माउंट आबू में सर्दी के तेज प्रकोप के बीच अलाव जलाकर सर्दी से बचाव कर रहे है वही पर्यटकों गर्म कपड़ो और रूम हीटर से सर्दी से बचने का जतन कर रहे है। कड़ाके की सर्दी से लोगों की धुजनी छूट गई है। उधर ठण्ड के साथ ही हवाओं का दौर भी जारी है।

सर्दी से खेतों में बिछी बर्फ की सफेद चादर

- सरसों की फलियों में पका दाना नष्ट होता जा रहा है
- किसानों ने सरसों की फसल में 70 प्रतिशत नुकसान होने की आशंका जताई
- 'सरसों की फसल में नुकसान की आशंका'

सूरतगढ़, (निसं)। इलाके में पड़ रही कड़ाके की सर्दी से फसलों पर बर्फ की सफेद चादर जम रही है। खेतों में यह स्थिति सोमवार सुबह भी देखी गई। विगत कुछ दिनों से धुंध और शीतलहर के कारण सरसों की फलियों में पका दाना नष्ट होता जा रहा है। इससे क्षेत्र में सरसों की फसल में नुकसान होने की आशंका बन गई है।

किसानों ने विगत 3 दिन से पड़ रहे पाला से सरसों की फसल में 70 प्रतिशत नुकसान होने की आशंका जताई है। वहीं, समतल और सख्त भूमि वाले किसानों ने पाला से 40 फीसदी नुकसान होने की बात कही है।

कृषि विभाग का भी कहना है कि आगामी 3 से 4 दिनों बाद नुकसान की जांच करने के बाद वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाएगी। कृषि अधिकारियों ने बताया कि दिन में तीखी धूप खिलने के साथ हवा नहीं चलने से नुकसान कम है। उन्होंने बताया कि जिस सरसों और चना की फसल में सिंचाई हो चुकी है, उसमें नुकसान कम है। वहीं पछेती सरसों के डंठल में पानी जमने से नुकसान की आशंका बनी हुई है।

बाप में सर्दी से राहत नहीं, बर्तनों में जमी बर्फ

बाप में पाला पड़ने से खेत में अंरडी की फसल झुलस गई।

बाप, (निसं)। जोधपुर जिले में सर्दी का सितम जारी है। सर्दी से राहत नहीं मिलने से आमजन सहित पशु पक्षी भी बेहाल है। शीतलहर की वजह से धूप में भी कंपकंपी छुट रही है। पिछले तीन दिनों से रात में पारा जमाव बिंदु तक जा रहा है। सुबह खेतों में फसल, घास आदि पर बर्फ जम रही है। सोमवार सुबह घटोर में घरों के बाहर रखे बर्तनों में भी बर्फ जम गई। दिन ढलते ही सर्दी में इजाफा हो जाता है। कड़ाके सर्दी के कारण लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो गई है।

सरसों-चने में नुकसान से किसान सदमे में

सादुलपुर, (निस)। चूरू जिले में आठ साल के बाद जनवरी माह में लगातार शीतलहर के साथ-साथ पारा माइनस में दर्ज किया जा रहा है। चुरू जिले सहित सादुलपुर तहसील क्षेत्र में 2.5 डिग्री माईनस में पहुँचे तापमान के कारण खेतों में खड़ी सरसों चनों की फसलों में नुकसान होने के कारण किसान सदमे में हैं।

साथ ही हाड़ कम्पाने वाली ठंड के कहर से आमजन का जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। क्षेत्र के पीड़ित किसानों ने शीघ्र ही माईनस तापमान के कारण बर्बाद हुई फसल की गिरदावरी करवाने की मांग की है। वहीं गांव गोविंद सिंह का बास के किसान हरिराम व गांव भैंसली निवासी किसान रामनिवास, रतन सिंह व जय सिंह ने बताया कि पिछले दो दिनों से लगातार सरसों गेहूं और चने की फसलों को नुकसान पहुंचा है तथा खेतों में चारों तरफ किसानों की खेती बर्बाद हो चुकी है।

इसके अलावा राजगढ़ तहसील के गांव नीमां, जसवंतपुरा, चाँदगोठी, थिरपाली छोटी, थिरपाली बड़ी, सुलखानिया छोटा, सुलखणिया बड़ा व नेशल आदि गांवों के किसानों ने भी राज्य सरकार एवं प्रशासन से गिरदावरी करवाकर किसानों को हुए भारी सर्दी से नुकसान के कारण फसल बर्बादी का किसानों को मुआवजा दिलवाने की मांग की है। भारत की कम्यूनिष्ट पार्टी (मार्कसवादी) के जिला कमेटी सदस्यों ने राज्य सरकार व तहसील प्रशासन से मांग करते हुए पत्र लिखा है कि सिंचित क्षेत्र के इन गांवों में आजकल में ही गिरदावरी करवाकर किसानों को मुआवजा दिलवाया जाए।

सादुलपुर सरसों की फसल पर जमी बर्फ।

पाला से खराब हुई फसलों का मुआवजे दिलवाने की मांग

- किसानों पर पड़ रही चौतरफा मार, समय पर न बिजली मिल पा रही ना खाद

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा सहित आस-पास के क्षेत्रों में शीतलहर व पाले के कारण सभी फसलों का नुकसान हो रहा है। इसको लेकर जनप्रतिनिधियों सहित किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी राजवीर सिंह यादव को ज्ञापन पत्र सौंपकर शीघ्र गिरदावरी करवाकर किसानों को फसल खराबे का मुआवजा दिलाने की मांग की है।

ज्ञापन पत्र के माध्यम से अवगत करवाया कि किसान भाइयों पर चौतरफा मार पड़ रही है। ना तो किसानों को समय पर बिजली मिल रही है, ना ही पर्याप्त खाद व उर्वरक मिल पा रहा है और ना ही अभी तक किसानों के कर्ज की माफी हुई। अब क्षेत्र में शीतलहर के प्रकोप व पाला पड़ने के कारण सरसों, गेहूं, जौ, चना व फल सब्जियों की बाड़ी सहित सभी फसलें खराब होने के कगार पर है।

लाडाकाबास सरपंच सरोज यादव, पूर्व सरपंच मदन याद व कारौली सरपंच श्रवन सिंह शेखावत ने कहा कि यदि फसल खराबे की समय से गिरदावरी हो जाए तो किसानों की फसल खराबे का सही आंकलन हो जाएगा।

श्रीमाधोपुर। कस्बे सहित आस-पास के ग्रामीण इलाके में सर्दी ने तीखे तेवर फिर से दिखाने शुरू कर दिए हैं। सोमवार को खेतों में खड़ी फसल पर ओस की बूंदें तथा घरों के बाहर पक्षियों के लिए लगाए गये परिंडों में रखा पानी भी बर्फ में तब्दील हो गया। लगातार पड़ रही सर्दी से आम जनजीवन अस्त वस्त हो गया है। सोमवार सुबह चारों और बर्फ ही बर्फ नजर आई। बर्तन में जमी बर्फ दिखाती महिला।

रोक से पहले खूब हुए ट्रांसफर, शिक्षा विभाग रहा अव्वल

- ऑफिशियल स्टॉफ से प्रिंसिपल तक, एएनएम से डॉक्टर्स तक के हुए तबादले
- ट्रांसफर पर फिर बेन लग गया लेकिन थर्ड ग्रेड टीचर्स के ट्रांसफर नहीं हुए

बीकानेर, (कासं)। राज्य सरकार ने पंद्रह जनवरी से तबादलों पर रोक लगा दी। इसके साथ ही रात बारह बजे तक ट्रांसफर लिस्ट जारी होने का सिलसिला चलता रहा। ट्रांसफर के अंतिम दिन भी सबसे ज्यादा आदेश निकालने वाले विभागों में शिक्षा विभाग अव्वल रहा। ऑफिशियल स्टॉफ से प्रिंसिपल तक के ट्रांसफर किए गए। वहीं चिकित्सा विभाग में एएनएम से डॉक्टर्स तक के तबादले हुए। पुलिस विभाग में भी कुछ आदेश हुए।

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने लेक्चरर, हेडमास्टर और प्रिंसिपल के साथ मंत्रालयिक कर्मचारियों के ट्रांसफर किए हैं। प्रदेश के सभी संभागीय मुख्यालयों पर संयुक्त निदेशकों के हस्ताक्षर से ट्रांसफर लिस्ट जारी हुई है। ये सभी ट्रांसफर लिस्ट जयपुर से स्वीकृति के बाद ही जारी हो सकी है। शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला के कार्यालय से हरी झंडी मिलने के बाद ही शिक्षा विभाग में ट्रांसफर हुए। मुख्यमंत्री कार्यालय ने भी अपनी लिस्ट शिक्षा मंत्री कार्यालय को भेजी, जिसकी शत प्रतिशत पालना की गई है।

हर जिले में विधायकों की सिफारिशों पर विशेष ध्यान दिया गया है। विधायकों ने ट्रांसफर करने और निरस्त करने की सिफारिश की है। कांग्रेस विधायकों की सिफारिशों के आधार पर एक बार फिर आदेश जारी हुए हैं। बीकानेर संयुक्त निदेशक ने एक ही आदेश में अधिकारियों और मंत्रालयिक कर्मचारियों के तबादले किए हैं। ट्रांसफर से बेन हटने के बाद वापस भी लग गया लेकिन अब तक ग्रेड थर्ड टीचर्स के ट्रांसफर नहीं हुए। करीब एक लाख टीचर्स ट्रांसफर का इंतजार कर रहे हैं। अशोक गहलोत सरकार ने इस बार भी एक ग्रेड थर्ड का ट्रांसफर नहीं किया है। पिछले दिनों मंत्रिमंडल की मीटिंग के बाद उम्मीद की जा रही थी कि तबादला नीति बनने से पहले ही ट्रांसफर होंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब ग्रेड थर्ड के लिए विशेष अनुमति की उम्मीद की जा रही है।

उधर, चिकित्या विभाग ने भी बड़ी संख्या में एएनएम के ट्रांसफर किए हैं। चिकित्सा निदेशालय ने जयपुर से इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। चिकित्सा विभाग में अपेक्षा से कम फेरबदल हुआ। बीकानेर में सदर थानाधिकारी सीआई लक्ष्मण सिंह व पुलिस निरीक्षक प्रदीप सिह चारण का ट्रांसफर भी निरस्त हो गया है। इस बारे में पुलिस मुख्यालय से आदेश जारी हुआ। इससे पहले भी कुछ सीआई का ट्रांसफर निरस्त हुआ था। अब तबादलों पर रोक लगने के साथ ही पुलिस निरीक्षकों ने भी राहत की सांस ली है। अब चुनाव से पहले ही बड़ी ट्रांसफर लिस्ट जारी होगी।

लाइनमैन रिश्वत लेते गिरफ्तार

आहोर, (निसं)। जालोर एसीबी ने जोधपुर डिस्कॉम के लाईन मैन को छह हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आहोर के हरजी गांव के परिवादी ने रिपोर्ट पेश कर बताया कि जोधपुर डिस्कॉम के लाईन मैन रूपनारायण प्रजापत मीटर की रिडिंग ठीक करने व वीसीआर नहीं भरने की एवज में 6000 रूपये की रिश्वत की मांग कर रहा है। एसीबी की टीम ने कार्रवाई करते हुए डिस्कॉम के सहायक तकनीकी लाईन मैन रूपनारायण प्रजापत जिला करोली को रिश्वत की राशि के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

जेल प्रहरियों की तबीयत बिगड़ी

जोधपुर, (कासं)। वेतनमान बढ़ाने की मांग को लेकर पिछले 4 दिन से अनशन कर रहे जेल प्रहरियों में अधिकांश की तबीयत अब बिगड़ने लगी है। सोमवार सुबह 3 प्रहरियों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इससे पहले रविवार को भी दो जेल प्रहरी अस्पताल पहुंचे थे। वर्तमान में 5 जेल प्रहरी अस्पताल में भर्ती हैं जबकि 8 जेल प्रहरियों की तबीयत खराब हो चुकी है।

सोमवार सुबह जेल प्रहरी राजूराम, सवाई राम और जेताराम की तबीयत बिगड़ गई। तीनों को 108 एम्बुलेंस के जरिए महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचाया गया। इससे पहले रविवार रात विकास विश्नोई की भी तबीयत खराब हुई थी, जिसे भी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। रविवार को एक महिला जेल प्रहरी संतोष मीणा का स्वास्थ्य खराब होने पर अस्पताल में भर्ती करवाया गया था।

जोधपुर सेंट्रल जेल में 100 से ज्यादा जेल प्रहरी और 30 से ज्यादा अधिकारी पिछले 4 दिन से अनशन कर रहे हैं। अभी अस्पताल में 5 जेल प्रहरी भर्ती हैं। जबकि 3 को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। अनशन स्थल पर अधिकांश जेल प्रहरियों की तबीयत खराब है। ऐसे में मेडिकल टीम लगातार नजर बनाए हुए है।

गन्ना पैदा करने वाले किसान खुश, लगभग डबल हुआ उत्पादन

चीनी का प्रोडक्शन भी होगा दुगना

- 80 प्रतिशत खपत स्टेट गंगानगर शुगर मिल्स में होती है

श्रीगंगानगर, (निसं)। इस बार जिले में रिकॉर्ड गन्ना उत्पादन दर्ज किया गया है। जिले में इस साल गन्ने का प्रोडक्शन पिछले साल के मुकाबले लगभग डबल हुआ है। पिछले साल जहां इलाके में नौ लाख क्विंटल से ज्यादा गन्ना उत्पादन हुआ था, इस बार इसका प्रोडक्शन पंद्रह से सत्रह लाख क्विंटल या इससे ज्यादा रहने का अनुमान है। इससे गन्ना किसान काफी खुश हैं। उनका कहना है पिछले साल जहां एक बीघा में दो सौ क्विंटल तक गन्ना उत्पादन हुआ था वहीं इस बार यह 250 क्विंटल से ज्यादा रहने का अनुमान है। इससे चीनी का उत्पादन भी बढ़ेगा।

इलाके में पैदा होने वाले गन्ने में से अस्सी प्रतिशत की खपत राजस्थान स्टेट गंगानगर शुगर मिल्स में होती है। पिछले साल शुगर मिल ने करीब साढ़े सात लाख क्विंटल गन्ना लिया था। इस बार मिल के पंद्रह लाख क्विंटल तक गन्ना लेने का अनुमान है। मिल में खपत दोगुना होने और किसानों के इसके लिए बॉण्ड भी भर देने से इस बार चीनी का प्रोडक्शन भी डबल होने का अनुमान है। गन्ने का प्रति हेक्टेयर प्रोडक्शन पिछले साल के मुकाबले डेढ़ सौ क्विंटल तक बढ़ा है। पिछले साल जहां प्रति हेक्टेयर प्रोडक्शन 450 क्विंटल था, इस बार यह छह सौ क्विंटल या इससे ज्यादा रहने का अनुमान है। पिछले साल जहां गन्ने का प्रोडक्शन एरिया 2200 हैक्टेयर था वहीं इस बार यह बढ़कर 2400 हेक्टेयर हो गया है।

गांव नौ जैड के किसान दलजिंद्र सिंह बताते हैं कि इस बार बरसात अच्छी होने से गन्ने का प्रोडक्शन प्रति बीघा करीब पचास से साठ क्विंटल बढ़ गया। ऐसे में अच्छा लाभ मिलने की उम्मीद है। इलाके के प्रमुख गन्ना उत्पादक सतविंद्र सिंह मानते हैं कि इस बार प्रोडक्शन पंद्रह लाख क्विंटल तक हो सकता है। इलाके के किसानों ने बताया कि दोनों ही तरह के गन्ने में मिठास सर्दी के साथ ही बढ़ती है। ऐसे में मोढ़ी गन्ना जल्दी मिल तक आने से मिल में इससे चीनी उत्पादन का प्रतिशत कम रहता है।

उप निदेशक आयुर्वेद डॉ. आर.के. पारीक के अनुसार गन्ने के रस के फायदे या नुकसान की बात करें तो गन्ने से तैयार गुड़ इस मौसम में उपयोगी है। जबकि वर्तमान मौसम में गन्ने का रस फायदे की बजाय नुकसान देगा। गर्मी में यह शरीर के लिए उपयोगी रहता है।

15 जेल प्रहरी अस्पताल में भर्ती

अलवर, (निसं)। पुलिस की तरह समान पद और समान वेतन की मांग को लेकर जेल प्रहरी प्रदेशभर में अनशन और प्रदर्शन कर रहे हैं। अलवर में भी 4 दिन से जेल के बाहर प्रहरियों का अनशन जारी है। अलवर में करीब 15 कर्मचारियों की तबीयत बिगड़ने के बाद उनको अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। कुछ कर्मचारियों की रात को तो कुछ की सुबह तबीयत बिगड़ी है। कैबिनेट मंत्री टीकाराम जूली भी कर्मचारियों से समझाइश करने आए लेकिन सोमवार को भी कर्मचारियों का अनशन जारी है। जेल कार्मिकों की 2017 में हुए समझौते की पालना में मैस का बहिष्कार व अनिश्चितकालीन अन्न त्याग आंदोलन 4 दिन से जारी है।

दो जेल प्रहरियों की तबियत बिगड़ी

मालपुरा, (निसं)। वेतन विसंगतियों को दूर किये जाने की मांग को लेकर मालपुरा उप कारागृह में तैनात जेल प्रहरियों का अनशन के चौथे दिन सोमवार को भी जारी रहा। सोमवार की अलसवेरे 5 बजे अनशन पर रहते हुए ड्यूटी कर रही महिला जेल प्रहरी पूजा मेघवंशी की तबियत बिगड़ जाने पर जेल प्रभारी व साथियों ने 108 एम्बुलेंस की सहायता से मालपुरा अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया। चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार शुरू किया। अस्पताल पहुंचे मीडियाकर्मियों को महिला जेल प्रहरी ने बताया कि जब तक राज्य सरकार से वार्ता नहीं हो जाती उनका अनशन जारी रहेगा।

भारत जी 20 ढांचे में ग्लोबल साउथ के मुद्दों को शामिल करने का प्रयास करेगा: बिरला

'भारतीय कुशल श्रमिक आज के वैश्वीकृत बाजार में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं'

- लोक सभा अध्यक्ष ने केन्या के उप राष्ट्रपति महामहिम श्री. रिगाथी गचागुआ के साथ बैठक की
- बिरला ने केन्या नेशनल असेंबली के अध्यक्ष, माननीय मूसा मासिका वेतांगुला ई.जी.एच. से मुलाकात की
- लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने चिकित्सा पर्यटन में भारत और केन्या के बीच घनिष्ठ सहयोग पर भी जोर दिया

जयपुर, (कासं)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, जो केन्या और तंजानिया के दौरे पर आए भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं, ने आज केन्या के उप राष्ट्रपति महामहिम श्री रिगाथी गचागुआ से मुलाकात की।

इस अवसर पर बोलते हुए, बिरला ने कहा कि भारत और केन्या दोनों देशों ने उपनिवेशवाद के विरूद्ध संघर्ष किया है। भारत और केन्या आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में साझा दृष्टिकोण रखते हैं। उन्होंने शांति और विकास के लिए आतंकवाद को खत्म करने के सामूहिक प्रयासों के लिए आग्रह किया। बिरला ने भारत के 20 कार्यकाल की प्राथमिकताओं पर जोर दिया और आश्वासन दिया कि भारत 20 ढांचे में ग्लोबल साउथ के मुद्दों को शामिल करने का प्रयास करेगा।

जलवायु परिवर्तन के मसले पर भारत पहले ही अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन की पहल कर चुका है और नवीकरणीय स्त्रोतों से ऊर्जा के दोहन की दिशा में कार्य कर रहा है। दोनों गण्यमान्य विशिष्टजनों ने दोनों देशों के बीच व्यापारिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों के विस्तार और पीपल टू पीपल कॉन्टैक्ट को बढ़ाने के विषय में भी चर्चा की।

यात्रा के पहले दिन बिरला ने अपने केन्याई मेज़बान माननीय मूसा मासिका वेतांगुला ई.जी.एच. अध्यक्ष, केन्या नेशनल असेंबली के साथ भी बैठक की। उन्होंने कहा कि भारत दोनों देशों के बीच मजबूत संसदीय संबंधों को प्रोत्साहित करता है। बिरला ने केन्या गणराज्य के राष्ट्रपति के रूप में चुने जाने पर महामहिम विलियम रूटो को भी हार्दिक बधाई दी।

बिरला ने जोर देकर कहा कि भारतीय कुशल कामगार आज के वैश्वीकृत बाजार में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं और दोनों देशों के आर्थिक विकास में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि केन्या से बड़ी संख्या में छात्र भारत में अध्ययन कर रहे हैं। लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत ने दुनिया भर के देशों को बड़ी संख्या में टीके उपलब्ध कराए। बिरला ने चिकित्सा पर्यटन में भारत और केन्या के बीच घनिष्ठ सहयोग पर भी जोर दिया।

नवाचार, शोध और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान के महत्व के बारे में बोलते हुए, बिरला ने कहा कि लोकतंत्र के लिए संसदीय अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) दोनों संसदों के बीच उच्च स्तरीय ज्ञान साझा करने और घनिष्ठ संपर्क सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बिरला ने माननीय मूसा मासिका वेतांगुला ई.जी.एच. को भारत आने का निमंत्रण भी दिया।

इससे पहले, केन्या के विदेश और प्रवासी मामलों के कैबिनेट सचिव डॉ. अल्फ्रेड एन. मटुआ, ईजीएच ने लोक सभा अध्यक्ष बिरला से मुलाकात की। नैरोबी आगमन पर, लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल (आईपीडी) का भारतीय उच्चायोग और केन्याई सरकार के अधिकारियों ने स्वागत किया।

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल (आईपीडी) नैरोबी पहुंचा।